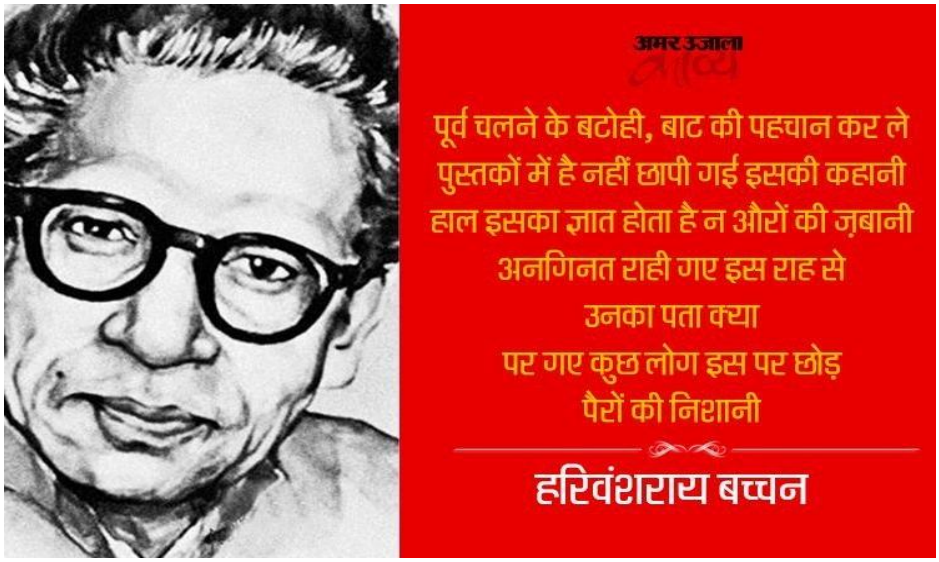

आत्मपरिचय-

श्री हरिवंश राय बच्चन

मैं रोया, इसको तुम कहते हो गाना,
मैं फूट पडा, तुम कहते, छंद बनाना;
क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाए,
मैं दुनिया का हूँ एक नया दीवाना।

मैं दीवानों का वेश लिए फिरता हूँ,
मैं मादकता निःशेष लिए फिरता हूं;
जिसको सुनकर ज़ग झूम, झुके, लहराए,
मैं मस्ती का संदेश लिए फिरता हूं।

शब्दार्थ : फूट पड़ा = विव्हल होकर रोना,बहुत आवेग से रोना । दीवाना = पागल ,मस्त । मादकता = मस्ती,नशा । निःशेष = जो कभी समाप्त न हो,पूर्ण ।

संदर्भ : प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्य-पुस्तक 'आरोह, भाग-2' में संकलित कविता 'आत्मपरिचय' से लिया गया है। इसके रचनाकार विख्यात कवि डॉ हरिवंश राय बच्चन हैं।

प्रसंग : कवि इस काव्यांश में अपनी सूफियाना मस्ती के भावों को अभिव्यक्त कर रहे हैं।

व्याख्या :कवि कहते हैं जिसे तुम मेरा गान समझ रहे हो वह वास्तव में मेरे ह्रदय का रुदन है। इसी तरह जब आंतरिक पीड़ा से मैं विव्हल हो गया, तो उसे छंद निर्माण माना गया। मुझे इस बात पर आपत्ति है कि संसार मुझे कवि माने। दुनिया मुझे कवि के रूप में व्यर्थ ही सम्मान देती है । वास्तव में तो मै कवि नहीं ,बल्कि इस संसार का एक दीवाना ही हूँ ।

बच्चन जी आगे कहते हैं कि इस दुनिया में मैं दीवानों का वेश बनाये घूमता हूं। मैं अपनी भावनाओं और विचारों की कभी भी खत्म न होने वाली मादकता लिये हूं। मैं अपनी इसी मस्ती के ऐसे पैगाम लेकर निकला हूं, जिसे सुनकर संसार झूमने लगेगा। मेरे संदेशों के सामने झुक जायेगा अर्थात् उनका स्वागत करेगा और आनंद से लहराने लगेगा ।इसी मस्ती के सन्देश को लिए मै आगे बढ़ता हूँ ।

काव्य सौंदर्य

1 प्रथम पद की पहली तीन पंक्तियों में विरोधाभास अलंकार है।

2 'क्यों कवि कहकर संसार मुझे अपनाये', में निषेध है। बच्चन जी कवि की बजाय एक दीवाना कहलाना चाहते हैं।

3 'क्यों कवि कहकर' में अनुप्रास अलंकार है। यहां पर 'क' वर्ण की आवृत्ति 3 बार हुई है।

अनुप्रास अलंकार : जहां पर एक ही वर्ण की आवृत्ति दो या दो से अधिक बार हो, वहां पर अनुप्रास अलंकार होता है।

4 कवि ने सरल और सहज काव्य-भाषा का प्रयोग किया है।

5 पदों में शांत रस है।

विशेष : इन पदों में सूफियाना दर्शन को प्रस्तुत किया है।

प्रश्न : (क) कवि के रोने और फूट पड़ने को संसार क्या समझता हैं?

प्रश्न : (ख) कवि स्वयं को क्या कहलाना पसंद करता हैं ?

प्रश्न : (ग) कवि की मनोदशा कैसी हैं?

प्रश्न : (घ) कवि संसार को क्या संदेश देना चाहता हैं? वह संसार पर उसकी कैसी प्रतिक्रिया की आशा करता है?

शेष अगली कक्षा मे

ऋचा पाण्डेय

धन्यवाद

वर्तनी का विशेष ध्यान रखें